# खोले के हनुमानजी मंदिर परिसर में 436 मीटर लंबा स्वचालित रोप-वे बनेगा

## 24 ट्रॉली वाला यह रोप-वे एक घंटे में 800 यात्रियों को सफर करवा सकेगा

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर** । राजधानी जयपुर में खोले के हनुमानजी मंदिर परिसर में प्रदेश का पहला स्वचालित और जयपुर का सबसे बड़ा पेसेंजर रोप-वे का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। अन्नपूर्णा माता मंदिर से खोले के हनुमानजी मंदिर की पहाड़ी स्थित वैष्णोमाता मंदिर तक 436 मीटर लंबा रोप-वे बनाया जा रहा है। 24 ट्रॉली वाला यह रोप-वे एक घंटे में 800 यात्रियों को सफर करवा सकेगा। कलेक्टर ने इसका निर्माण कार्य दो साल में पूरा करने को कहा है।

शुक्रवार को जयपुर कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने खोले के हनुमान मंदिर परिसर में पहुंचकर रोप-वे निर्माण का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि इस रोप-वे का नाम अन्नपूर्णा माता रोप-वे होगा, जो कि प्रदेश का पांचवां और जयपुर जिले का सामोद हनुमानजी रोप-वे के बाद दूसरा रोप-वे होगा।

अन्नपूर्णा माता मंदिर से खोले के हनुमानजी मंदिर की पहाड़ी स्थित वैष्णोमाता मंदिर तक 436 मीटर लंबा रोप-वे बनाया जा रहा है। जो कि जयपुर का सबसे बड़ा रोप-वे होगा। इसके निर्माण के लिए फर्म और जयपुर जिला प्रशासन के बीच करार हुआ है, जिसके बाद फर्म को रोप-वे अधिनियम के तहत लाइसेंस जारी किया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान रोप वे निर्माण की फर्म के पदाधिकारियों ने कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित को बताया कि पांच टावरों पर संचालित किए जाने वाले रोप वे की ऊंचाई 85 मीटर होगी। 24 ट्रॉली वाले इस रोप-वे की क्षमता 800 यात्री प्रति घंटा होगी। कलेक्टर ने निर्माता फर्म को 2 साल में रोप-वे निर्माण के निर्देश दिए है।

कलक्टर ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है, इसलिए रोप-वे निर्माण में गुणवत्ता का खास ध्यान दिया जाए। निर्माण के दौरान और संचालन के शुरू होने के बाद भी जिला प्रशासन की ओर से रोप-वे के सुरक्षा मापदंडों की नियमित रूप से जांच की जाएगी। रोप-वे के निर्माण में जयपुर की विरासत, शिल्पकला और वैभव की छटा देखने को मिलेगी।

कलक्टर ने कहा कि रोप-वे निर्माण करने वाली फर्म को 0 से 5 आयुवर्ग वाले बच्चों और 70 साल से अधिक उम्र वाले बुजुर्गों के साथ-साथ दिव्यांगों को रोप-वे के जरिये निःशुल्क सफर करवाने के लिए निर्देशित किया है। रोप-वे की एक तरफ का सफर करीब साढ़े 4 मिनट में पूरा होगा। इस दौरान यात्रियों को जयपुर का विहंगम दृश्य दिखाने के लिए ट्रॉली को बीच सफर में दो बार रोका जाएगा। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर दक्षिण मोहम्मद अबूबक्र, सार्वजनिक निर्माण विभाग के चीफ रोप.वे निरीक्षक सुरेन्द्र व्यास,अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग अजय भूपेश सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।



जयपुर कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने शुक्रवार को खोले के हनुमान मंदिर परिसर में पहुंचकर रोप-वे निर्माण का निरीक्षण किया।

- कलक्टर ने 2 साल में इसे शुरू करने को कहा
- अन्नपूर्णा माता के नाम पर बन रहे इस रोप-वे में बच्चों, दिव्यांगों और बुजुर्गों को निःशुल्क सफर कराया जायेगा
- रोप-वे से एक तरफ का सफर करीब साढ़े 4 मिनट में पूरा होगा, यात्रियों को जयपुर का विहंगम दृश्य दिखाने के लिए ट्रॉली को बीच सफर में दो बार रोका जाएगा

# प्रदेश भाजपा में जिलाध्यक्षों का बदलाव अब उपचुनाव के बाद ही सम्भव होगा

- निष्क्रिय जिलाध्यक्षों और पदाधिकारियों में होगा बदलाव

**जयपुर।** प्रदेश भाजपा में पिछले कई महिनों से निष्क्रिय पड़े जिलाध्यक्षों और संगठन के पदाधिकारियों का बदलाव अब उपचुनाव के बाद ही सम्भव होगा। पिछले दिनों हुई भाजपा की कोर कमेटी की बैठक में भाजपा के कोर ग्रुप के नेताओं ने आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों को देखते हुए जिलाध्यक्ष और संगठन के पदाधिकारियों के बदलाव पर चर्चा की थी।

वही इस पर भाजपा संगठन ने नए पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों के लिए नए नाम भी तैयार किए है लेकिन सरदार शहर उपचुनाव, गुजरात चुनाव और जन आक्रोश यात्रा के शुरुआत होने के कारण इन नियुक्तियां में देरी हो रही है। इन नामों पर भाजपा संगठन के नेताओं ने इन नए नामों पर चर्चा होने के बाद ही बदलाव किया जाएगा। ऐसे में करीब आधा दर्जन जिलाध्यक्षों का बदलाव के लिए अब और इंतजार करना पड़ेगा। इस फेरबदल का आधार इन जिलों के पार्टी जिलाध्यक्षों की लचर परफोरमेंस को माना गया। अंदरखाने में चर्चा है कि पार्टी की राज्य इकाई से लेकर केंद्रीय संगठन की ओर से दिए जाने वाले अभियानों, कार्यक्रमों एवं गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले जिलाध्यक्षों पर गाज गिरने जा रही है। राजस्थान में वैसे तो 33 जिले हैं लेकिन भाजपा संगठन के लिहाज से कई जिलों में दो-दो जिलाध्यक्ष होने से इनकी संख्या 40 से भी ज्यादा है। चर्चा है कि दौसा, सवाईमाधोपुर, भरतपुर, बाड़मेर, उदयपुर, अजमेर सहित कई जिलों के जिलाध्यक्ष बदले जाने की तैयारी चल रही है। संगठनात्मक ढांचे में मजबूती को आगामी विधानसभा चुनाव में इसलिए भी जरूरी माना जा रहा है क्योंकि कांग्रेस के अलावा भाजपा को कई नए तीसरे दलों की चुनौती का भी सामना करना पड़ सकता है। गौरतलब है कि आप पार्टी और कई तीसरे दल राजस्थान में अबकी चुनाव में भाग्य आजमाने को लेकर तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में आमजन में भाजपा की पैठ बनाने और अपनी ही पार्टी के कार्यकर्ताओं को सक्रिय बनाने के लिए जिलों के संगठन की बागडोर में बदलाव किए जाने की तैयारी की जा रही है। जिलाध्यक्षों का बदलाव नवंबर माह की शुरूआत में होना था लेकिन अब उपचुनाव, गुजरात चुनाव और जन आक्रोश यात्रा के कारण इस प्रक्रिया में देरी हुई है।

जिलाध्यक्ष के बदलाव की खबरों के बीच इस पद के लिए योग्य एवं ऊर्जावान चेहरे की तलाश तेज हो गई है। हाल ही में पार्टी प्रदेश अध्यक्ष के अलग-अलग जिलों के दौरों के दौरान बकायदा जिलाध्यक्ष बनने की दौड़ में शामिल माने जाने वाले संबंधित जिलों के कार्यकर्ताओं ने अपनी जबरदस्त सक्रियता दिखाई। विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। ऐसे में पार्टी प्रदेश संगठन भी नए जिलाध्यक्षों के चयन में सभी पक्षों का ख्याल रखते हुए अच्छी परफोरमेंस देने वाले व्यक्ति के चयन को प्राथमिकता देना चाहता है।

## प्रदेश में आज 8 नए करोना संक्रमित मिले

**जयपुर,** (कासं.)। प्रदेश में शुक्रवार को 8 नए करोना संक्रमित मिले हैं। वहीं इस बीच 11 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 67 रह गए हैं। राहत की बात यह है कि राज्य में पिछले आठ दिन से करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में 3 जिलों में 8 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले 5 रोगी पाए गए थे। इधर आज सर्वाधिक 5 नए मरीज जोधपुर में मिले हैं। इसके अलावा जयपुर में 2 और अजमेर में 1 नया संक्रमित मिला है। जयपुर में आज मानसरोवर और मुरलीपुरा में 1-1 नया मरीज पाया गया है। राज्य में 3995 जांचे की गई है।

राज्य में शुक्रवार को भी नए संक्रमितों से अधिक मरीज ठीक हुए हैं। इस दौरान 11 संक्रमितों के रिकवर होने से एक्टिव केस घटकर 67 रह गए हैं। राजधानी जयपुर में भी आज 7 मरीजों के ठीक होने से 23 एक्टिव केस रह गए हैं। उधर प्रदेश में करोना से होने वाली मौतों का सिलसिला पिछले 8 दिन से थमा हुआ है। राज्य में शुक्रवार को भी इस बीमारी से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9653 लोगों की जान जा चुकी है।

# प्रदेश की अदालतों में आज भी नहीं हुआ काम

**जयपुर,** (का.सं.)। न्यायिक अधिकारी के घर कर्मचारी सुभाष मेहरा के आत्मदाह से जुड़े मामले में शुक्रवार को प्रदेश की अधीनस्थ अदालतों के कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर रहे। जिसकी वजह से प्रदेश की अदालतों में कामकाज पूरी तरह ठप रहा। न्यायिक कर्मचारी संघ और संघर्ष समिति ने स्पष्ट किया कि उनकी मांगों के संबंध में फैसला होने और एफआईआर दर्ज होने के बाद ही कार्य बहाली को लेकर निर्णय लिया जाएगा।

न्यायिक कर्मचारी की मौत की जांच सीबीआई से कराने सहित अन्य मांगों को लेकर जयपुर जिले की सभी अदालतों के कर्मचारी बीते 15 दिन से सामूहिक अवकाश पर हैं। वहीं पिछले तीन दिनों से पूरे प्रदेश के कर्मचारियों ने अवकाश लेकर काम बंद कर रखा है। बीते गुरुवार को जोधपुर में मुख्य न्यायाधीश पंकज मित्थल की राजस्थान न्यायिक कर्मचारी संघ के प्रान्तीय अध्यक्ष सुरेन्द्र नारायण जोशी और संघर्ष समिति के अध्यक्ष बद्रीलाल चौधरी सहित अन्य कर्मचारी नेताओं से वार्ता हुई थी। वार्ता के बाद कर्मचारियों ने मांगे पूरी नहीं होने तक सामूहिक अवकाश जारी रखने का निर्णय लिया है। कर्मचारी मामले की सीबीआई जांच, न्यायिक अफसर को एपीओ करने, मृतक के परिजनों को पचास लाख रुपए मुआवजा सहित एक आश्रित को सरकारी नौकरी देने की मांग कर रहे हैं।

गौरतलब है कि एनडीपीएस मामलों की विशेष कोर्ट में पदस्थापित कर्मचारी सुभाष मेहरा ने 10 नवंबर को न्यायिक अधिकारी के घर की छत पर आत्मदाह कर लिया था। न्यायिक कर्मचारियों का कहना है कि सुभाष की हत्या हुई है। इसलिए मामले की सीबीआई जांच करवाई जानी चाहिए।

# पुलिस अफसरों ने की रॉक क्लाइम्बिंग



**जयपुर।** राजस्थान पुलिस अकादमी में कांस्टेबल दीक्षांत परेड के बाद राजस्थान पुलिस सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों व कांस्टेबलों द्वारा किए गए रॉक क्लाइम्बिंग का पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने अवलोकन किया। अतिरिक्त महानिदेशक एवं राजस्थान पुलिस अकादमी के निदेशक राजीव शर्मा ने बताया कि राजस्थान पुलिस अकादमी देश की सर्वश्रेष्ठ पुलिस अकादमी घोषित हो चुकी है। उन्होंने बताया कि अकादमी में नियमित एवं अत्याधुनिक प्रशिक्षण के साथ ही पुलिस अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों को एडवेंचर गतिविधियों से भी रूबरू करवाया जा रहा है। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सर्वश्री डॉ रवि प्रकाश मेहरड़ा, सौरभ श्रीवास्तव, हेमंत प्रियदर्शी, अशोक राठौड़, स्मिता श्रीवास्तव, बिनीता ठाकुर, एस सेंगथिर एवं पुलिस आयुक्त जयपुर आनंद श्रीवास्तव सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

# आईएएस अरोड़ा को अवमानना नोटिस जारी

**जयपुर,** (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद एसीबी की ओर से भेजे 17ए की अनुमति का पत्र तय अवधि में निस्तारण नहीं करने पर प्रमुख आईटी सचिव अखिल अरोडा का अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस वीके भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश पब्लिक अगेंस्ट करप्शन की अवमानना याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता टीएन शर्मा और अधिवक्ता पीसी भंडारी ने अदालत को बताया कि राजकॉम्प इन्फो सर्विसेज लि. की ओर से 240 करोड़ रुपए की वाईफाई डिवाइस खरीदने के मामले में एसीबी में शिकायत की गई थी। मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर करने पर हाईकोर्ट ने गत 23 मई को प्रमुख आईटी सचिव को आदेश दिए थे कि वह एसीबी की ओर से भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धारा 17ए के तहत जांच की अनुमति के लिए भेजे पत्र को साठ दिन में तय करे। अवमानना याचिका में कहा गया कि प्रमुख आईटी सचिव ने छह माह की अवधि में भी एसीबी के पत्र को तय नहीं किया है। ऐसे में दोषी अधिकारी को अदालती आदेश की अवमानना के लिए दंडित किया जाए।

# जयपुर डेयरी को आरटीआई के दायरे में मानने के आदेश पर रोक

- याचिका में कहा गया कि जयपुर डेयरी निजी संस्था है और राज्य सरकार से किसी तरह का अनुदान प्राप्त नहीं करती है। ऐसे में उस पर आरटीआई के प्रावधान लागू नहीं होते हैं। इसलिए सूचना आयोग के आदेश को रद्द किया जाए।

**जयपुर,** (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सूचना आयोग के गत 17 अगस्त के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसके तहत आयोग ने जयपुर डेयरी को आरटीआई के दायरे में मानते हुए सूचना मुहैया कराने को कहा था। इसके साथ ही अदालत ने मामले में सूचना आयोग, पशुपालन सचिव और आरसीडीएफ सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश जयपुर जिला दुग्ध उत्पादन सहकारी संघ लि. की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा ने अदालत को बताया कि राज्य सूचना आयोग ने गत 17 अगस्त को याचिकाकर्ता को सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत मानते हुए मांगी गई सूचना मुहैया कराने को कहा था। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता सहकारी संस्था है और वह किसी भी रूप में लोक सेवक की श्रेणी में नहीं आती है। जयपुर डेयरी निजी संस्था है और राज्य सरकार से किसी तरह का अनुदान प्राप्त नहीं करती है। ऐसे में उस पर आरटीआई के प्रावधान लागू नहीं होते हैं। इसलिए सूचना आयोग के आदेश को रद्द किया जाए।

## 20 हजार श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण

**जयपुर,** (का.सं.)। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस, पेट्रोलियम व जलदाय डॉ.सुबोध अग्रवाल ने कहा है कि राज्य सरकार खनन श्रमिकों के स्वास्थ्य के प्रति गंभीर है। राज्यभर में खनि क्षेत्रों में प्राथमिकता से स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर श्रमिकों में अवेयरनेस, खनन सुरक्षा ससाधनों के उपयोग के प्रति प्रेरित करने, मास्क आदि आवश्यक किट का वितरण और सिलिकोसिस जैसी बीमारी के लक्षण दिखने पर वित्तीय सहायता व ईलाज की व्यवस्था करवाई जा रही है।

एसीएस माइंस डॉ. सुबोध अग्रवाल ने गत 18 नवंबर को आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में फील्ड अधिकारियों को प्रदेश में खान सुरक्षा व स्वास्थ्य मानकों की पालना सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए थे।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

# महिला-बच्चों व कमजोर वर्ग को न्याय दिलाना पुलिस की प्राथमिकता : डीजीपी

**जयपुर** (कासं)। राजस्थान पुलिस अकादमी में आज कांस्टेबल रिक्रूट्स बैच संख्या-92 का दीक्षांत परेड समारोह आयोजित हुआ। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने परेड की सलामी ली। दीक्षांत परेड में 64 महिला कांस्टेबल समेत 174 कांस्टेबल शामिल हुए। मिश्रा ने परेड कमांडर और सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर कॉन्स्टेबल अनिता मीणा को ट्रॉफी प्रदान की। उन्होंने आउटडोर बेस्ट रणवीर सिंह, बेस्ट शूटिंग के लिए कांस्टेबल राजपाल सिंह और बेस्ट इंडोर के लिए अनिता को ट्रॉफी दी।

इससे पूर्व डीजीपी उमेश मिश्रा ने परेड का निरीक्षण किया और अभिवादन स्वीकार किया। राजस्थान पुलिस अकादमी के निदेशक राजीव शर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को शपथ ग्रहण कराई एवं कॉन्स्टेबलों ने शस्त्र शपथ भी ली। परेड द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का अभिवादन किया गया। मिश्रा ने प्रशिक्षणार्थी कॉन्स्टेबल्स की आकर्षक दीक्षांत परेड की सराहना की एवं प्रशिक्षणार्थियों के साथ ही आरपीए के अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई दी।

डीजीपी ने कहा कि महिलाओं, बच्चों व कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता व उन्हें न्याय उपलब्ध कराना पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने नए कॉन्स्टेबल्स से इस प्राथमिकता के अनुरूप आचरण कर राजस्थान पुलिस की गौरवशाली परम्पराओं को आगे बढाने का आव्हान किया। उन्होंने कांस्टेबलों से कानून की परिधि में रहकर संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप कार्य करने को कहा। शर्मा ने बताया कि राजस्थान पुलिस अकादमी राजपत्रित वर्ग में वर्ष 2019- 20 में देश की सर्वश्रेष्ठ अकादमी के रूप में चुनी गई और अराजपत्रित वर्ग में भी यह अकादमी देशभर में श्रेष्ठ घोषित हुई है। प्रशिक्षणार्थियों में बीटेक, बीएड, बीपीएड, बीसीए सहित विभिन्न विषयों में स्नातकोत्तर एवं स्नातक योग्यताधारी शामिल हैं।




राजस्थान पुलिस अकादमी में गुरूवार को कांस्टेबल रिक्रूट्स बैच संख्या-92 के दीक्षांत परेड समारोह में पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने परेड की सलामी ली।

**नाम परिवर्तन**

मैंने अपना नाम पुष्पा मेंघरानी के स्थान पर पुष्पा देवी कर लिया है अतः भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये। पता-55/126, रजत पथ, मानसरोवर, जयपुर

**आम सूचना** सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल अशफाक पुत्र गुलाम हुसैन निवासी-27, दरगाह कॉलोनी, चारदरवाजा बाहर, जयपुर का पुत्र मोहम्मद हाशिम आयु 31 वर्ष, उनके कहे में नहीं है और वह पिछले कुछ वर्षो से अपनी मर्जी मुताबिक जिन्दगी जी रहा है और वह अत्यधिक मात्रा में नशा करता है मेरे मुवक्किल का पुत्र व उसकी पत्नी नाजमीन आए दिन मेरे मुवक्किल व उसके परिवार के अन्य सदस्यों के साथ झगडा व मारपीट करते है जिस कारण मेरे मुवक्किल ने अपने पुत्र मोहम्मद हाशिम व उसकी पत्नी नाजमीन को अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से एवं अपने परिवार से बेदखल कर दिया है जो कोई यक्ति इनसे किसी भी तरह का संव्यहार करेगा उसकी वह स्वयं जिम्मेदार होगा। कृपया सूचित रहे। (फारूक अहमद) दिनांक- 02.12.2022 एडवोकेट, मो.9829277089

**आवश्यकता**

आयुर्वेदिक कंपनी शिक्षित बेरोजगार महिलाएं, पुरूष, लडकियां, गृहणियां घर बैठे दवा पैकिंग करके 25000 से 60000/- कमाएं (एनओसी चार्ज-2150/- संपर्क करें-8420229677

**सूचना** "समिति के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि समिति की आम सभा का आयोजन दिनांक 18.12.2022 को प्रातः 11.00 बजे पापड वाले हनुमान मंदिर, विद्याधर नगर, जयपुर पर किया जाना निर्धारित किया गया है जिसमें समिति के गत वर्ष के लेखों-जोखों वार्षिक प्रगति, आय-व्यय, समिति की दैनिक कार्य संचालन हेतु विचार विमर्श किया जावेगा एवं समिति के पंजीकृत कार्यालय 197, ग्राउण्ड फ्लोर, सुभाष कॉलोनी, शास्त्री नगर जयपुर के स्थान पर समिति का पत्र व्यवहार एवं अन्य कार्यकलापों के लिए पता एसएफ-43, सैकण्ड फ्लोर, जयपुर टैक्सटाईल मार्केट, मॉडल टाउन, मालवीया नगर, जयपुर परिवर्तित करने बाबत चिार करने हेतु। अतः समय पर पधारने का कष्ट करें।"

"अध्यक्ष बाबा रामदेव गृह निर्माण स.स. लि.जयपुर" मुकेश, बाबा रामदेव गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड

**आम सूचना**

मैं अरूण कुमार पुत्र श्री रघुनाथ सिंह निवासी ग्राम-जौड़िया, तहसील- कोटकासिम, जिला अलवर (राज.) सर्व साधारण को सूचित करता हूं कि मेरा पुत्र बिजेन्द्र उर्फ धीरज मेरे कहने सुनने से बाहर व मनमर्जी करता है। बिजेन्द्र उर्फ धीरज के व्यवहार से परेशान हो कर मैं उसे अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। कोई भी व्यक्ति बिजेन्द्र उर्फ धीरज से किसी प्रकार का लेन देन करेगा अथवा अपने किसी भी असामाजिक एवं गैर कानूनी कार्य के लिए बिजेन्द्र उर्फ धीरज स्वयं जिम्मेवार होगा, मैं जिम्मेवार नहीं रहूंगा। – अरूण कुमार

**कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत-प्रथम**
**राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर**
क्रमांकः12453 जाहिर आम-सूचना दिनांकः02.12.2022

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/ फ्लैट संख्या 164/09 (LIG) का आवंटन श्री मोहन सिंह गुर्जर एवं श्री पलटू सिंह गुर्जर को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 4052 दिनांक 31-12-2003 को जारी किया गया था। जिसका नियमितिकरण पत्र क्रमांक 611/10 दिनांक 03-04-2007 के द्वारा श्रीमती उषा सिंघल पत्नी श्री डॉ. सुशील कुमार सिंघल के पक्ष में किया गया। उनके पक्ष में पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 26.12.2007 को कर दिया गया । श्रीमती उषा सिंघल की मृत्यु दिनांक 26.01.2021 को हो जाने के कारण उनके पति श्री सुशील कुमार सिंघल पुत्र श्री रिखब चन्द सिंघल द्वारा आवासन मण्डल मे अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं । अतः उक्त आवास का हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्री सुशील कुमार सिंघल पुत्र श्री रिखब चन्द सिंघल का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय,
सम्पदा प्रबंधक, राज. आवा. मण्डल, वृत-प्रथम, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर

**आम सूचना** सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य इन्द्र कुमार पुत्र स्वर्गीय श्री गौरी लाल निवासी बांगड़ों का बड़, वार्ड नम्बर 31, सांगानेर बाजार, सांगानेर, जयपुर (राज.) के पुत्र रवि कुमावत का आचरण मेरे अभिभाष्य के प्रति अनुचित है व कहना नहीं मानने से मेरा अभिभाष्य इस रवि कुमावत को अपनी अचल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करने की घोषणा करता है। रवि कुमार मेरे अभिभाष्य के साथ नहीं रहते है, इसलिए कोई भी व्यक्ति और संस्था इनसे मेरे अभिभाष्य की अचल-अचल सम्पत्ति के सम्बन्ध में इकरार, संव्यवहार नहीं करें अन्यथा होने वाली क्षति के लिए स्वयं जिम्मेदार होगा। (धीरेन्द्र सिंह राजावत) एडवोकेट, मो.91-9214529094

**आम सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, मेरे अभिभाष्य मोहन लाल पुत्र स्व. श्री गंगाराम, निवासी चन्दलाई रैगरो का मौहल्ला, वाया शिवदासपुरा, तहसील चाकसू जयपुर का है। मेरे अभिभाष्य का पुत्र एवं उसकी पत्नी मनफूली देवी जो कि मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं है मेरे अभिभाष्य का आदर सम्मान भी नहीं करते, लिहाजा मेरा अभिभाष्य इनको अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से पुत्र छगनलाल व पुत्रवधू मनफूली देवी एवं इनकी संतानों को भी बेदखल करता है। इनसे मेरे अभिभाष्य का भविष्य में कोई सरोकार नहीं रहेगा व कोई भी व्यक्ति इनसे संव्यवहार करेगा जिम्मेदारी उसकी स्वयं की होगी। सूचित रहे।
जयपुर भवदीयः (हेमन्त कुमार खोलिया) एडवोकेट मोबाइल- 9928145337

**राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर**
क्रमांकः- DHC-II/2286 जाहिर आम सूचना दिनांकः 02/12/22

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 56/03, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 214.20 वर्ग मीटर / वर्ग गज का आवंटन डॉ. रविन्द्र प्रकाश पुत्र श्री मोतीलाल को किया गया था जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1205 दिनांक 29.06.1991 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 12.09.1991 को प्राप्त कर लिया गया था राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र कमांक 1545 दिनांक 14.06.2000 के द्वारा श्री विद्याधर, श्रीमती गिनोडी देवी, श्री कैलाश चन्द गोयल एवं श्री नारायण गोयल के नाम नियमितिकरण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 29.06.2000 को करवाया गया। श्री विद्याधर एवं श्री नारायण गोयल के द्वारा उक्त आवास का उपहार पत्र श्री कैलाश चन्द गोयल पुत्र श्री विद्याधर गोयल को कर दिया गया। इनके द्वारा उक्त आवास के उपहार प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 13.08.2021 को करवाया गया। इसके पश्चात श्रीमती गिनोडी देवी की मृत्यु दिनांक 26.07.2009 को हो जाने के कारण इनका पुत्र श्री कैलाश चन्द गोयल पुत्र श्री विद्याधर गोयल ने 3/4 अविभाजित हिस्से का मृत्यु पश्चात् नाम एवं लीजडीड हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत वसीयतनामा प्रस्तुत कर पूर्ण आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति / आवेदक श्री कैलाश चन्द गोयल पुत्र श्री विद्याधर गोयल के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है। सम्पदा प्रबन्धक, वृत द्वितीय, जयपुर

**खोया पाया**

मेरा आवास संख्या एफ-920 (ई) जेडीए कॉलोनी गोविन्दपुरा सांगानेर के मूल कागजात कहीं खो गए है। मिलने पर सूचित करें। सफीक-मोबाइल 9950100528

जयपुर विकास प्राधिकरण की आवासीय योजना चित्रकुट नगर के भूखण्ड संख्या सी-3/215 का मूल पट्टा विलेख मय साईट प्लान व स्टाम्प तथा मेरे पक्ष में निष्पादित रजिस्टर्ड वसीयत मूल ही कहीं मिसिंग हो गये। मिलने पर सूचित करें। कनुप्रिया जैन, मो. 8949596405

न्यू पिंक सिटी गृ.नि. सह. समिति जयपुर की योजना महावीर नगर के भूखण्ड संख्या 79 की सोसायटी की रसीद खो गई है संपर्क करें-अशोक दास-9829097574

मेरे आवास संख्या-42/6/11, स्वर्णपथ मानसरोवर, जयपुर का मुख्तारनामा कहीं गिर गया है मिलने पर सूचित करें-श्रीमती किरण कंवर मो.9314074116

करतारपुरा गृह निर्माण सहकारी समिति की अनुमोदित योजना सूर्य गर के भूखण्ड संख्या 65 का सोसायटी द्वारा जारी मूल साईट प्लान कहीं गुम हो गया। मिलने पर सूचित करें। छित्तर मल सैनी, मो.9001241152

**सम्पत्ति-क्रय-विक्रय**

इंद्रागांधीनगर/मालवीयनगर/सिद्धार्थ नगर/प्रतापनगर, (JLN-रोड/ रिंगरोड़), जगतपुरा/मॉडलटाउन आसपास सभी हाउसिंगबोर्ड कॉलोनी, सेक्टर-रेजिडेंशियल/कमर्शियल/एग्रीकल्चर/इण्डस्ट्रियल/ हॉस्पिटल/इन्स्टीट्यूशन्स/फार्महाउसेस/रिसोर्ट, लेण्डस -(बेचने-खरीदने) हेतुः-भावना एंटरप्राइजेज, रियलिटी चेम्बरः-7599912345

**राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-तृतीय**
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर
दूरभाष संख्या-0141-4901853

**आम जाहिर सूचना** राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास/फ्लैट संख्या-2/310(एफएफ) जवाहर नगर, जयपुर क्षेत्रफल 87.37 वर्गमीटर का आवंटन श्रीमती लाजवन्ती देवी पत्नी श्री फतन दास को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 8369 दिनांक 29.08.1980 जारी किया गया था। उनके द्वारा उक्त आवास/फ्लैट के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर पंचम में दिनांक 21.03.2013 को करवाया गया। श्रीमती लाजवन्ती देवी की मृत्यु दिनांक 28.06.2022 को हो जाने के पश्चात उनके पुत्र श्री सुरेश कुमार खटवानी पुत्र स्व. श्री फतन दास के द्वारा क्षतिपूर्ति बंधक पत्र, शपथ पत्र, वसीयतनाम एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर, उक्त आवास/फ्लैट का हस्तान्तरण अपने नाम से करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास/फ्लैट के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री सुरेश कुमार खटवानी पुत्र स्व. श्री फतन दास के पक्ष में उक्त आवास/फ्लैट के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी।
सम्पदा प्रबंधक, वृत तृतीय, रा.आ. मण्डल, जयपुर

**राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-भिवाडी**
क्रमांक-2124 दिनांक-30.11.2022

**आवश्यक सूचना** मूलतः मकान संख्या 1/292 पुरानी कॉलोनी, राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, भिवाडी श्री लाल सिंह को आवंटन पत्रांक 169 दिनांक 11.05.1994 के द्वारा आवंटित किया गया था। इनके द्वारा उक्त आवास को बेचान उपरान्त मण्डल द्वारा पश्चातवर्ती अन्तिम क्रेता श्रीमती सोदरा देवी के पक्ष मे पंजीयन हेतु अदेय प्रमाण पत्र संख्या 4076 दिनांक 30.03.2009 को जारी किया जा चुका है। इनके द्वारा उक्त मकान की रजिस्ट्री स्वयं के पक्ष में दिनांक 31.03.2009 को उप पंजीयक भिवाडी में पंजीकृत करवाई जा चुकी है। श्रीमती सोदरा देवी की मृत्यु दिनांक 19.12.2015 को हो चुकी है। श्री विक्रम सिंह रावत ने प्रार्थना पत्र, आवश्यक प्रपत्र एवं श्रीमती सोदा देवी की मृत्यु का प्रमाण पत्र एवं पंजीकृत वसीयतनामा प्रस्तुत कर निवेदन किया है, उनकी माताजी का स्वर्गवास दिनांक 19.12.2015 को हो जाने के कारण उपरोक्त मकान संख्या 1/292 पुरानी कॉलोनी, भिवाडी जिला अलवर का पंजीकृत वसीयत के आधार पर मृत्यु उपरांत प्रतिस्थापन हस्तान्तरण उनके नाम किया जाये। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त मकान संख्या 1/292 पुरानी कॉलोनी, भिवाडी के संबंध में पिता, पुत्र, पुत्रियाँ, भाई व अन्य किसी रिश्तेदार को किसी प्रकार का किसी भी व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल खण्ड भिवाडी में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्री विक्रम सिंह रावत पुत्र श्री मदन सिंह रावत के पक्ष में उपरोक्त मकान संख्या 1/292 पुरानी कॉलोनी, भिवाडी जिला अलवर का पंजीकृत वसीयत के आधार पर मृत्यु उपरान्त प्रतिस्थापन हस्तान्तरण किये जाने की कार्यवाही की जावेगी।
आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-भिवाडी